भारत त्योहारों का देश नाम माना जाता है। कुछ त्योहारें पूरे भारत में मनाए जाते हैं

तो कुछ राज्यों के अनुसार। ओणम् केरल का प्रसिद्ध त्योहार है। ओणम मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा है जिसमें बताया गया है कि केरल राज्य में राजा महाबलि था जो अपनी दान शिलता के लिए प्रसिद्ध था। राजा बलि को अपने आप पर घमंड होने लगा। इंद्र देवता को यह देख चिंता होने लगी। उन्होंने विष्णु जी कि सहायता ली। विष्णु ने वामन अवतार ले तीन पग भूमि मांगी। पहले पग में पृथ्वी, दूसरे में आकाश नापा तथा तीसरा पग महाबली के सिर पर रख उसे पाताल भेजा। साल में एक दिन राजा बलि अपनी प्रजा से मिलने आते हैं। और अपने राज्य की खुशहाली देखकर सन्तुष्ट होते हैं। यही दिन

ओणम का दिन है जो "फसल पर्व" के रूप में मनाया जाता है। दस दिनों तक यह पर्व चलता है। जिसमें केरल की संस्कृतिक छाप दिखाई देती है। महिलाएँ नए वस्त्र पहनती हैं, बुजुर्ग महिलाएँ छोटों को उपहार देती हैं। फूलों से सजी रंगोली के बीच पीतल या काँसे का दिपक रखा जाता है। भगवान को चावल, गुड़, घी, तथा दूध से बनी खीर का भोग चढ़ाया जाता है। इस मौके पूर नौका दौड़ होती है। यह नौका 100 फुट तक लंबी होती है। इससे 100 चालक चलाते है। अमीर-गरीब का भेद-भाव भुलकर यह पर्व आनंद और उल्लास से मनाया जाता है।